Heart Care Super Specialty Center
Jabalpur (M.P.) INDIA

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक ?
सुविख्यात हृदय विशेषज्ञ डॉ. अनुपम श्रीवास्तव से जाने इसके कारण

हार्ट अटैक का नाम सुनते ही आदमी दहल जाता है हमारे देश में हर साल लग–भग90 लाख से भी अधिक व्यक्ति हार्ट अटैक का शिकार होते हैं जिसमें से लगभग 50 लाख व्यक्तियों की मौत हो जाती है यह संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है यह एक गहन विश्वव्यापी चिन्ता का विषय है।

आखिर क्यों बढ़ते जा रहे हैं हृदय रोग हार्ट अटैक व इससे होने वाली मौतें ।

सुविख्यात हृदय रोग विशेषग डॉ. अनुपम श्रीवास्तव का कहना है, इस का कारण है हमारी बदलती जीवन शैली और अब तक की प्रचलित चिकित्सा तकनीकों की असफलता आधुनिक जीवन शैली में नियमित व्यायाम का अभाव फास्टफूड व अधिक बसा युक्त भोजन का चलन धूम्रपान का बढ़ता फैशन अधिक मानसिक तनाव बढ़ते डायबिटीज व हाई ब्लड प्रेशर के मरीज भाग दौड़ भरी जिंदगी इत्यादि हृदय रोगियों की संख्या बढ़ाने के लिये जिम्मेदार हैं ।

हार्ट ब्लाकेज के इलाज में उपयोग होने वाली दवाऐं ब्लाकेज दूर करने में सफल नहीं होती और कुछ समय बाद अपना असर खो देती हैं हार्ट ब्लाकेज में सर्वाधिक प्रचलित आपरेशन बायपास सर्जरी व एन्जियोप्लास्टी न तो हृदय रोग को कंट्रोल करने में सक्षम हैं ना ही दौबारा ब्लाकेज को रोकने में, आपरेशन के बाद भी हृदय रोग पहले जैसा बढ़ता रहता है ।
बायपास सर्जरी में जो पैर की नसें काटकर हृदय में लगाई जाती हैं वे कुछ समय बाद ब्लाक हो जाती है ऐसे की एजिन्योप्लास्टी में प्रयुक्त होने वाले स्टेट का कुछ ही महीनों में दोबारा ब्लॉक हो जाना पूरे विश्व के विशेषज्ञों के लिये चिंता का विषय बना हुआ है आधुनिक शोध रिर्पोट्स के अनुसार एन्जियोप्लास्टी व स्टेन्ट से अचानक मृत्यु व हार्ट अटैक खतरा और अधिक पाया गया है ।
डॉ. अनुपम का श्रीवास्तव का कहना है कि कई वर्षों के अनुसंधान के बाद अमेरिकन हार्ट एसोसियशन एवं यू. एस. एफ. डी. ए. ने एक्टर्नल काउंटर पल्शेसन (ई.सी.पी.) को नॉन सर्जिकल बायपास चिकित्सा के रूप में मान्यता प्रदान की है, जो कि एन्जियोप्लास्टी व बायपास सर्जरी से कहीं ज्यादा बेहतर, कम खर्चीली, व सुरक्षित तकनीक है। ई. सी. पी. के परिणाम 90 प्रतिशत से भी ज्यादा सफल तथा इसके साईड इफेक्ट व मृत्यु दर 0 प्रतिशत है, हृदय की मांसपेशियों की ब्लड सप्लाई बढ़ाकर हृदय रोगी की तकलीफ व रिस्क को तो दूर किया जा सकता है साथ ही बिना चीरफाड़ की इस तकनीक ई सी पी द्वारा बायपास सर्जरी व एन्जियोप्लास्टी की अवश्यकता को खत्म किया जा सकता है ऐसी ही एक अत्यंत प्रभावी नॉन सर्जिकल हृदय चिकित्सा आर्टरी क्लियरेंस थेरेपी (ए.सी.टी.) है जिसकी सफलता दर 95 प्रतिशत से भी ज्यादा एवं साईड इफेक्ट व मृत्यु दर 0 प्रतिशत है एसीटी अमेरिका से आयतित इंपोर्टेड दवाओं को नसों में विभिन्न सिटिंग्स में देकर की जाती है बिना चीरफाड़ की इस चिकित्सा में न केवल हार्ट बल्कि पूरे शरीर की रक्त नलिकाओं के ब्लाकेज क्लियर होते हैं अगर ए.सी.टी. व ई.सी.टी. को साथ साथ दिया जाये तो परिणाम 95–100 प्रतिशत तक प्राप्त हो रहे हैं ।
आधुनिक व नॉन सर्जिकल चिकित्सा के क्षेत्र में न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने स्थान बना चुके हृदय संस्थान हार्ट केयर अंजुमन स्कूल के सामने, सिविक सेंटर जबलपुर में स्वयं डॉ. अनुपम श्रीवास्तव के सीधे निर्देशन में ए.सी.टी. वे ई.सी.पी. दोनों की सुविधा उपलब्ध है । यहाँ के परिणाम सैकड़ों रोगियों में 95 प्रतिशत से अधिक सफलता तक दर्शाते हैं । साथ ही हार्ट केयर में डॉ. अनुपम श्रीवास्तव ने हृदय रोगियों की जिंदगी और बेहतर बनाने के लिये प्रिवेन्टिव कार्डियोलाजी व कार्डियक रिहेबिलिटेशन के विश्व स्तरीय आधुनिक प्रोग्राम प्रारंभ करने का निर्णय लिया है जोकि शीघ्र ही प्रारंभ हो जायेंगे । हार्ट केयर हार्ट अटैक व ब्लाकेज के रोगियो का जीवन आसान सकिय व प्रसन्नतापूर्ण बनाने के लिये कृत संकल्पित है वह भी बिना आपरेशन बिना चीरफाड़ व बिना किसी खतरे व साइड इफेक्ट तो अब हृदय रोगियों के लिये चिंता करने की कोई वजह नहीं ।

Heart Care Centre
In Front Of Anjuman School,Main Road ,Civic Centre, Jabalpur (M.P.) INDIA

Phone : +91-761-4033117, +91-761-2310003
Mobile :094251-52211, 093007-14766